डॉ. के. पी. शहा
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
यशवंतराव चव्हाण
कॉलिज, कोल्हापुर

तथा

स्नातकोत्तर अध्यापक
एवं शोध - निर्देशक
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

प्रमाणपत्र

मै यह प्रमाणित करता हूं कि प्रा. सहदेव एच. कांबळे ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम. फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध " फणीश्वरनाथ " रेणु " की कहानियों में आंचलिकता " मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है।

प्रा. सहदेव एच. कांबळे के प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूं।

कोल्हापुर

(डॉ. के. पी. शहा)

दिनांक : 30-5-1990

अनुक्रमणिका

			पृष्ठ क्रमांक
प्राक्कथन		...	1 - 4
प्रथम अध्याय :	फणीश्वरनाथ " रेणु " व्यक्तित्व एवं कृतित्व	...	5 - 31
द्वितीय अध्याय:	हिन्दी आंचलिक कहानी स्वरूप प्रकृति एवं परिभाषा	...	32 - 57
तृतीय अध्याय :	हिन्दी आंचलिक कहानी का विकास	...	58 - 67
चतुर्थ अध्याय :	फणीश्वरनाथ " रेणु " की कहानियों में चित्रित सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक जीवन	...	68 - 115
पंचम अध्याय :	फणीश्वरनाथ रेणु की आंचलिक कहानियों की विशेषताएं	...	116 - 139
उपसंहार :		...	140 - 144
परिशिष्ट तथा:			
संदर्भ ग्रंथ सूची :		...	145 - 147